भाकअनुसं
कदन्न (पोषक अनाज) समाचार पत्र
हैदराबाद * सोलापुर * वरंगल
क्रम सं. 231 जनवरी, 2023
भाकृअनुप—भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद - 500 030, तेलंगाना, भारत

श्रीअन्न तथा जैविक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं

भाकृअनुप-भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान-न्यूट्रीहब ने कृषि विभाग द्वारा कर्नाटक राज्य कृषि उत्पादन प्रसंस्करण और निर्यात निगम लिमिटेड (केएपीपीईसी) तथा जैविक कृषि के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्षमता केंद्र (आईसीसीओए) के सहयोग से त्रिपुरावासिनी पैलेस ग्राउंड, बेंगलुरु में 20-22 जनवरी 2023 के दौरान श्रीअन्न तथा जैविक पर आयोजित तीन दिवसीय चौथे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला - 2023 में भाग लिया। श्री बी सी पाटील, कृषि मंत्री, कर्नाटक सरकार ने चौथे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के वेबसाइट का शुभारंभ किया। मेले में 110 से अधिक कंपनियों के 300 से ज्यादा स्टालों एवं विभिन्न देशों के संगठनों के साथ एक अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शनी की गई। सम्मेलन मुख्य रूप से, किसानों, व्यापारियों, निर्यातकों, शोधकर्ताओं, गैर-सरकारी संगठनों, केंद्र तथा राज्य सरकारों के विभिन्न क्षेत्रों के श्रीअन्न हितधारकों के परस्पर मिलने का एक विशिष्ट स्थल था।

"श्रीअन्न तथा जैविक : चुनौतियों के बीच अवसर" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के पहले दिन, डॉ. बी दयाकर राव, मु.का.अधि., न्यूट्रीहब - भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने "पोषण व स्वास्थ्य पहलु सहित भारत तथा विश्व में श्रीअन्न के परिदृश्य का सिंहावलोकन" पर आधार व्याख्यान दिया। डॉ. सी वी रत्नावती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने "श्रीअन्न अनुसंधान एवं विकास का परिदृश्य" पर संबोधित किया। नीति-निर्माताओं, सरकारी व गैर-सरकारी गणमान्य व्यक्तियों, भारत एवं विदेशों से आए सभी प्रमुख राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं ने चर्चा में भाग लिया।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं को "श्रीअन्न में अनुसंधान तथा विकास हेतु श्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार"

भाकृअनुप-भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान को कर्नाटक सरकार द्वारा बेंगलुरु, कर्नाटक में "श्रीअन्न तथा जैविक - अंतर्राष्ट्रीय व्यापार" मेला 2023 को दौरान "श्रीअन्न अनुसंधान एवं विकास के लिए श्रेष्ठ संस्थान" पुरस्कार तथा भाश्रीअनुसं के न्यूट्रीहब को "श्रीअन्न अनुसंधान एवं विकास के लिए श्रेष्ठ ऊष्मायन केंद्र" पुरस्कार प्रदान किया गया। उक्त पुरस्कार श्री नरेंद्र सिंह तोमर जी, माननीय केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री के कर-कमलों से डॉ. सी वी रत्नावती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने ग्रहण किया। इस अवसर पर डॉ. दयाकर राव, मु.का.अधि, भाश्रीअनुसं-न्यूट्रीहब, डॉ. जे स्टेनली, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा डॉ. वी रवि कुमार, त.अधि., भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं उपस्थित थे।

डॉ. दयाकर को अनुसंधान एवं विकास में उत्कृष्टता हेतु श्रेष्ठ वैज्ञानिक का पुरस्कार

डॉ. बी दयाकर राव, मु.का.अधि, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं-न्यूट्रीहब को 20-22 जनवरी, 2023 के दौरान बेंगलुरु, कर्नाटक में आयोजित "श्रीअन्न तथा जैविक - अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2023" में "श्रीअन्न पर अनुसंधान एवं विकास में उत्कृष्टता के लिए श्रेष्ठ वैज्ञानिक" से सम्मानित किया गया। डॉ. दयाकर ने यह पुरस्कार श्री नरेंद्र सिंह तोमर जी, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री के कर-कमलों से ग्रहण किया। *इस उपलब्धि के लिए भाश्रीअनुसं परिवार डॉ. दयाकर को हार्दिक बधाई देता है और भविष्य में और अधिक पुरस्कार प्राप्त करने हेतु शुभकामनाएं देता है।*

श्रीअन्न में प्र.रो.सृ.का.यो. (पीएमईजीपी) तथा व्यापार के सुअवसर पर कार्यशाला

भाकृअनुप-भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान ने केवीआईसी, तेलंगाना के सहयोग से 4 जनवरी, 2023 को "प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) और श्रीअन्न में व्यवसाय के अवसर" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया, ताकि इच्छुक उद्यमियों में पीएमईजीपी योजनाओं तथा श्रीअन्न के क्षेत्र में व्यापार के अवसर के बारे में जागरूकता पैदा की जा सके। इसमें तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के विभिन्न हिस्सों से लगभग 100 नवोदित उद्यमियों एवं किउसं ने भाग लिया। यह कार्यशाला अधिकांश लोगों में श्रीअन्न की खपत सुनिश्चित करने हेतु मार्ग प्रशस्त करके, अंतर्राष्ट्रीय श्रीअन्न वर्ष (आईवाईओएम) 2023 का समर्थन करेगी। इस अवसर पर, भाश्रीअनुसं की निदेशक डॉ. सी वी रत्नावती ने किसान उत्पादक संगठन के द्वारा संचालन हेतु व्यवहार्य व टिकाऊ व्यावसायिक इकाई के रूप में श्रीअन्न उष्मायन केंद्र का शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम भाश्रीअनुसं की किउसं इकाई द्वारा आयोजित किया गया तथा श्री के श्रीनिवास बाबू एवं डॉ. संगप्पा द्वारा इसका समन्वय किया गया।

भाश्रीअनुसं में अंतर्राष्ट्रीय श्रीअन्न वर्ष - 2023 का शुभारंभ

भाकृअनुप-भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान (भाश्रीअनुसं), हैदराबाद ने 2 जनवरी 2023 को श्रीअन्न अंतर्राष्ट्रीय वर्ष (आईवाईओएम 2023) के स्वागत हेतु श्रीअन्न परिवार की सभा का आयोजन किया। भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के लिए आईवाईओएम का स्वागत करने हेतु यह एक विशिष्ट अवसर था। अखंड भारत का पहला व सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत "विविधता में एकता", अर्थात भारत हमेशा संस्कृतियों तथा भाषाओं के विभिन्न रंगों के साथ फलता-फूलता रहा है और उसी को चरितार्थ करते हुए संस्थान के कार्मिकों ने भारत की नौ अलग-अलग प्रमुख भाषाओं में अश्रीव-2023 का स्वागत किया। इस अवसर विशेष पर अश्रीव-2023 लोगो के साथ डिज़ाइन किया गया केक कर्मचारियों में वितरित किया गया।

इस अवसर पर डॉ. सी वी रत्नावती, कार्यकारी निदेशक, भाश्रीअनुसं ने अश्रीव-2023 की शुभारंभ पर सभी कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं की छोटे से ज्वार अनुसंधान केंद्र से राष्ट्रीय प्रमुख संस्थान तक की यात्रा का स्मरण करते हुए, विगत कर्मचारियों एवं निदेशकों की सेवाओं की सराहना की तथा भाश्रीअनुसं के वर्तमान कर्मचारियों के प्रयासों व निरंतर समर्थन पर प्रकाश डाला। उन्होंने अश्रीव के आलोक में श्रीअन्न अनुसंधान, विकास तथा मूल्य शृंखला स्थापना हेतु अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए दल भावना बढ़ाने का आग्रह किया। समारोह में वैज्ञानिकों, तकनीकी, प्रशासनिक, सहायक, संविदा कार्मिक, शोध अध्येताओं, शोधार्थियों, छात्रों सहित लगभग 300 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में, श्रीअन्न आधारित उत्पाद वितरित किए गए। इस कार्यक्रम का आयोजन भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं-हैदराबाद के कर्मचारी मनोरंजन क्लब के द्वारा किया गया।

प्रजनक बीज उत्पादन एवं अनुवीक्षण

भाकृअनुप - भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान (भाश्रीअनुसं) ने रबी 2022-23 के दौरान ज्वार किस्मों - सीएसवी 15, सीएसवी 32एफ तथा सीएसवी 41 एवं कुटकी किस्म - सीएलएमवी 1 के प्रजनक बीज उत्पादन का काम शुरू किया है। डॉ. ए वी उमाकांत, ज्वार प्रजनक; श्री गुरुबसवराज डी एम, उप निदेशक, बीज प्रमाणन, कर्नाटक राज्य बीज तथा जैविक प्रमाणन अभिकरण, रायचूर; श्री पृथ्वी टी, प्रबंधक, कर्नाटक राज्य बीज निगम, रायचूर, श्री कृष्ण चौहान, कृषि निदेशक, श्री अरुण, प्रबंधक (बीज उत्पादन और विपणन), राष्ट्रीय बीज निगम, जावलगेरा तथा डॉ. बी वेंकटेश भट, प्रधान वैज्ञानिक एवं नोडल अधिकारी (बीज), भाश्रीअनुसं शामिल अनुवीक्षण दल ने 9 जनवरी, 2023 को भाश्रीअनुसं के बीज उत्पादन क्षेत्र का अनुवीक्षण किया। फसल, बीज स्थापन अवस्था में थी। किस्मों के रूपात्मक लक्षणों के अनुरूप आनुवंशिक शुद्धता की पुष्टि की गई। इस कार्यक्रम का समन्वय डॉ. सूगण्ण, वैज्ञानिक और सह-नोडल अधिकारी (बीज) तथा रघुनाथ कुलकर्णी, तकनीकी अधिकारी, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद द्वारा किया गया।

किसान प्रथम परियोजना के अंतर्गत श्रीअन्न पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

रबी मौसम के दौरान किसान प्रथम परियोजना के अंतर्गत तेलंगाना के संगारेड्डी ज़िले में चलकी व मुंगी परियोजना गांव में 20 जनवरी, 2023 को श्रीअन्न पर एक प्रक्षेत्र दिवस आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बागवानी मॉड्यूल के अंतर्गत लाल-चना तथा रबी ज्वार क्षेत्र परीक्षण एवं शाक वाटिका का अनुवीक्षण था। भाश्रीअनुसं-हैदराबाद के परियोजना दल - सुश्री स्पंदिता, एसआरएफ, सुश्री मेघना, एफए, श्री भगत, एफए, श्री विनोद, कुशल सहायक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, किउसं अधिकारी; श्री राजेश और श्री संगमेश के साथ उक्त गांवों के प्रतिभागियों ने लगभग 20 किसान परीक्षणों का दौरा किया। किसानों ने अपनी स्थानीय किस्म की तुलना में उन्नत किस्म के शुरुआती विकास एवं अच्छी पुष्पगुच्छ लंबाई के प्रति संतोष व्यक्त किया। दल के सदस्यों ने सब्जियों व लाल-चने के साथ अंतर-खेती की फसल के रूप में श्रीअन्न के प्रदर्शन का निरीक्षण करने के लिए किसानों के खेतों, शाक वाटिका का दौरा किया। दल ने एक प्रसंस्करण इकाई का भी दौरा किया तथा किसानों की शंकाओं का समाधान किया। यह कार्यक्रम डॉ. राजेंद्र आर चापके, प्रधान अन्वेषक, किसान प्रथम परियोजना तथा प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

भारत के सबसे बड़े ज्वार जननद्रव्य लक्षण-वर्णन के अनुवीक्षण की प्रगति

भाकृअनुप - भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान (भाश्रीअनुसं) कृषि अनुसंधान केंद्र, वाशिम में सीआरपी-एबी के अंतर्गत भारत के विशालतम जननद्रव्य लक्षण-वर्णन कार्यक्रम के समन्वय हेतु सहयोगी केंद्र है। भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के द्वारा इस कार्यक्रम के मानव संसाधन हेतु समन्वय, तकनीकी मार्गदर्शन व प्रशिक्षण जारी है। यह कार्यक्रम भाकृअनुप-रापाआसंब्यू, नई दिल्ली, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद, डॉ.पीडीकेवी, अकोला, भाकृअनुप- रापाआसंब्यू-क्षेकें, अकोला तथा कृअनुकें, वाशिम के द्वारा संयुक्त रूप से सफलतापूर्वक निष्पादित किया गया। नब्बे से ज्यादा देशों से संग्रहित स्वदेशी और विदेशी ज्वार जननद्रव्य संग्रह से 5 मानकों (चेकों) के साथ 267 बार दोहराए गए 24,950 परिग्रहणों की 3-8 नवंबर 2022 के दौरान बुआई की गई। इन परिग्रहणों को एनजीबी, भाकृअनुप-रापाआसंब्यू, नई दिल्ली में एकत्र, संवर्धित व संरक्षित किया गया था। भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं-हैदराबाद ने भाकृअनुप- रापाआसंब्यू, नई दिल्ली तथा ज्वार पर अभासअनुप के साथ संयुक्त रूप से कृअनुकें, वाशिम में ज्वार लक्षण-वर्णन कार्यक्रम का अनुवीक्षण किया। भाश्रीअनुसं ने युवा पेशेवरों व प्रक्षेत्र सहायकों को पर्ण मध्यशीरा रंग, पर्ण रंग तथा पर्ण विन्यास पर आंकडे संग्रहण पर प्रशिक्षित किया तथा सीआरपी-एबी के अंतर्गत कार्यरत सभी कर्मचारियों को फील्ड बुक मोबाइल ऐप का उपयोग करके डेटा संग्रह के डिजिटलीकरण पर प्रशिक्षित किया।

प्रशिक्षण सह ज्ञानवर्धन दौरा

भाकृअनुप - भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान (भाश्रीअनुसं) ने 5-6 जनवरी, 2023 को स्थानीय सफल उद्यमी के लिए दो दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण सह ज्ञानवर्धन दौरे का आयोजन किया। कृवीकें, रायबरेली से छह किसानों एवं दो वैज्ञानिकों सहित कुल 8 सहभागियों के एक समूह ने इसमें भाग लिया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में श्रीअन्न उत्पादन में नए विकास, श्रीअन्न में व्यापार के सुअवसर, प्रमुख रोग, पीडकों तथा उनकी प्रबंधन तकनीकों के बारे में जानकारी प्रदान की गई, जो किसानों को श्रीअन्न की खेती करने तथा आजीविका हेतु आय के स्रोत के रूप में सहायता करेगा। प्रशिक्षार्थियों ने भाश्रीअनुसं में श्रीअन्न प्रदर्शन भूखंडों तथा श्रीअन्न प्रसंस्करण एवं मूल्य वर्धन प्रौद्योगिकी सुविधाओं का भी अवलोकन किया। यह कार्यक्रम भाश्रीअनुसं की किउसं इकाई द्वारा आयोजित किया गया और इसका समन्वय श्री के श्रीनिवास बाबू तथा डॉ. संगप्पा के द्वारा किया गया।

उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए एक दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण

न्यूट्रीहब, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रायोजित "राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम)" के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के चित्रकूट ज़िले के किसानों के लिए 30 जनवरी 2023 को श्रीअन्न प्रसंस्करण व मूल्यवर्धन प्रौद्योगिकियों पर एक ज्ञानवर्धन सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लगभग 55 किसानों ने भाग लिया। किसानों को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद में विभिन्न श्रीअन्न प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। किसानों को विभिन्न श्रीअन्न मूल्य वर्धित खाद्य उत्पाद जैसे श्रीअन्न कुकीज़, बिस्कुट, मफिन निर्माण पर प्रशिक्षित किया गया। इस दौरे तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय डॉ. वी रवि कुमार, तकनीकी अधिकारी ने किया।

आईजीकेवी के 37वें स्थापना दिवस में सहभागिता

भाकृअनुप-भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान ने 20 जनवरी 2023 को आयोजित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय (आजीकेवी), रायपुर, छत्तीसगढ़ के 37वें स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया। समारोह की अध्यक्षता श्री रविंद्र चौबे, माननीय कृषि मंत्री, छत्तीसगढ़ सरकार ने की। इस अवसर पर अन्य अतिथि के रूप में श्री प्रदीप शर्मा, मुख्यमंत्री के सलाहकार; डॉ कमलप्रीत सिंह, एपीसी; डॉ मनिंदर कौर, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएससी तथा श्री आनंद मिश्र, बोर्ड सदस्य उपस्थित थे। डॉ. गिरीश चंदेल, कुलपति, आईजीकेवी ने लघु श्रीअन्न के विशेष संदर्भ में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। डॉ. कमलप्रीत सिंह ने सदन को बताया कि आईजीकेवी द्वारा जारी श्रीअन्न की 9 किस्मों का बीज उत्पादन किया जा रहा है और उत्पादन बढ़ाने के लिए उपज सुधार का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर श्रीअन्न उन्नयन, प्रसंस्करण, मूल्य वर्धन तथा प्रसार पर सहयोगी अनुसंधान के लिए भाश्रीअनुसं तथा आजीकेवी के बीच एक समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। डॉ. हरिप्रसन्ना के तथा वेंकटेश्वरलु रोंडा ने भाश्रीअनुसं का प्रतिनिधित्व किया तथा निदेशक, भाश्रीअनुसं की ओर से कुलपति, आईजीकेवी के साथ समझौते ज्ञापन का आदान-प्रदान किया।

खाद्य तथा पोषण सुरक्षा हेतु लघु श्रीअन्न पर कार्यशाला

आईजीकेवी, रायपुर के द्वारा 20 जनवरी 2023 को श्रीअन्न अंतर्राष्ट्रीय वर्ष - 2023 के उपलक्ष्य में खाद्य तथा पोषण सुरक्षा के लिए लघु श्रीअन्न पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ. गिरीश चंदेल, माननीय कुलपति, आईजीकेवी; डॉ. अरविंद कुमार, उप महानिदेशक (आर), इक्रिसेट; प्रो. तनवीर आलम, आईआईपी, मुंबई; डॉ. निशा भारती, प्रोफेसर, एसआईआईबी, पुणे; डॉ. हरिप्रसन्ना के, प्रधान वैज्ञानिक, भाश्रीअनुसं तथा डॉ. वेंकटेश्वरलु रोंडा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाश्रीअनुसं ने पैनल के सदस्यों के रूप में सेवाएं प्रदान की। डॉ. गिरीश चंदेल ने छत्तीसगढ़ में लघु श्रीअन्न की स्थिति के बारे में बताया। डॉ. हरिप्रसन्ना ने भारत में विभिन्न लघु श्रीअन्न के उत्पादन व उत्पादकता तथा उनके फसल उन्नयन पर व्याख्यान दिया। डॉ. वेंकटेश्वरलु ने लघु श्रीअन्न के पौष्टिक-औषधीय गुणों एवं मूल्यवर्धन के बारे में बताया। सभी पैनलिस्टों के व्याख्यानों ने पूरे देश में सहयोगी प्रयासों के माध्यम से उत्पाद विकास एवं श्रीअन्न संवर्धन में भाश्रीअनुसं, हैदराबाद की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यशाला तथा विचार-विमर्श के दौरान किसानों सहित 200 से ज्यादा प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

जैविक तथा श्रीअन्न पर - अं.व्या.मे. बेंगलुरु में श्रीअन्न स्टॉल

भाकृअनुप-भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान के न्यूट्रीहब ने 20-22 जनवरी, 2023 के दौरान बेंगलुरु में आयोजित जैविक तथा श्रीअन्न पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में भाग लिया एवं श्रीअन्न के स्वास्थ्यवर्धक खाद्य उत्पादों तथा प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया। किसानों, प्रतिनिधियों, आगंतुकों, कर्नाटक व अन्य राज्यों के गणमान्य व्यक्तियों, छात्रों व उद्यमियों सहित 15000 से ज्यादा लोगों ने उक्त स्टाल का दौरा किया तथा श्रीअन्न की मांग व प्रचार के लिए संस्थान के द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। इस तीन दिवसीय आयोजन में, आईटीएफ 2023 बेंगलुरु में कुल 34 नवोदित कंपनियों ने भाग लिया तथा श्रीअन्न के स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों के प्रसंस्करण और उत्पादन के संबंध में लगभग 100 युवा उद्यमियों ने आवश्यक जानकारी प्राप्त की। डॉ. पी अमरनाथ रेड्डी, परियोजना प्रबंधक, एमओएफपीआई - पीएमएफएमई, न्यूट्रीहब - टीबीआईएससी, सुश्री विजय लक्ष्मी, सीओई, भाश्रीअनुसं और भाश्रीअनुसं के न्यूट्रिहब के अन्य कर्मचारियों ने मूल्यवर्धित श्रीअन्न उत्पादों का प्रदर्शन किया, तथा मूल्य वर्धन के क्षेत्र में भाश्रीअनुसं की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के संबंध में जानकारी प्रदान की।

स्वच्छ भारत कार्यक्रम

भाकृअनुप - भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान ने भाश्रीअनुसं के किसान प्रथम परियोजना ग्राम चलकी, न्याकल मंडल, संगारेड्डी ज़िला, तेलंगाना में स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान 20 जनवरी 2023 को स्वच्छ भारत कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में भाश्रीअनुसं-हैदराबाद के कि.प्र.प. दल के साथ श्रीमती मीना, प्रधानाध्यापिका, सरकारी हाई स्कूल, श्री रवि, ग्राम पंचायत सचिव, श्री मारुथी, एमईओ, श्रीमती ममता, एईओ, पंचायत सदस्य, शिक्षक तथा हाई स्कूल के छात्र शामिल कुल 200 सहभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में, सुश्री स्पंदिता, वरिष्ठ शोध अध्येता, कि.प्र.प. ने स्वच्छता बनाए रखने के महत्व के बारे में जानकारी दी तथा उन्हें बताया कि अपने स्वास्थ्य को अच्छा बनाए रखने में, आस-पास की सफाई कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने वातावरण को स्वच्छ व स्वस्थ बनाए रखने के लिए कुछ सावधानियां अपनाने की सलाह दी। प्रधानाध्यापिका व गांव के अन्य लोगों ने भी साफ-सफाई के महत्व के बारे में जानकारी दी। इसके बाद सभी प्रतिभागियों ने स्कूल परिसर और उसके आसपास साफ-सफाई की। उक्त कार्यक्रम किसान प्रथम परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ. चापके, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

स्व.स.स. महिलाओं हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम

न्यूट्रीहब, भाकृअनुप-भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के द्वारा श्रीअन्न मूल्यवर्धन पर स्वयं सहायता समूह (स्व.स.स.) महिलाओं के लिए 12 जनवरी, 2023 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में महबूबनगर स्व.स.स. की 50 महिला सदस्यों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. रवि कुमार, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, ने भाश्रीअनुसं - न्यूट्रीहब के प्रभाव तथा, नवाचार केंद्र के द्वारा प्रौद्योगिकी अपनाने को सुकर बनाए जाने के बारे में जानकारी प्रदान की। प्रतिभागियों ने प्राथमिक तथा माध्यमिक प्रसंस्करण इकाइयों के साथ-साथ व्यावसायीकरण हेतु तैयार प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। "श्रीअन्न संग रसोई" कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, प्रतिभागियों ने नवाचारों को प्रोत्साहित करने के लिए "श्रीअन्न में उद्यमिता अवसर" के अंतर्गत श्रीअन्न के विभिन्न व्यंजनों के बारे में सीखा।

सीआरपी-एबी परियोजना कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण

डॉ. एम एलंगोवन, प्रधान वैज्ञानिक, भाश्रीअनुसं-हैदराबाद के द्वारा कृषि अनुसंधान केंद्र (डॉ पीडीकेवी, अकोला), वाशिम में 5 जनवरी 2023 को " फील्ड डाटा का डिजिटलीकरण – कागजरहित आंकड़ा संग्रह" पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस व्यावहारिक प्रशिक्षण में सीआरपी-एबी परियोजना में कार्यरत 15 कर्मचारियों ने भाग लिया।

आगंतुक

अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षार्थी

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान, हैदराबाद के द्वारा "प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रशिक्षुओं के लिए 24 जनवरी, 2023 को एक प्रक्षेत्र दौरे का आयोजन किया गया। विभिन्न देशों से कुल 14 सहभागियों ने संस्थान का दौरा किया। डॉ. बी गंगय्या, प्रधान वैज्ञानिक ने जल प्रबंधन से संबंधित सभी प्रक्षेत्र गतिविधियों के बारे में बताया और किउसं के गठन सहित शुष्क भूमि संबंधी विषयों पर चर्चा की। भाश्रीअनुसं प्रक्षेत्र में अनुसंधान प्रयोग, सभी श्रीअन्न फसलों के प्रदर्शन परीक्षण व लाइसीमैट्रिक सुविधाओं को दिखाया गया तथा उनके संबंध में जानकारी दी गई। डॉ. स्वर्णा रोणंकी, वैज्ञानिक ने शुष्क क्षेत्रों में जल संचयन संरचनाओं के महत्व तथा स्प्रिंकलर और बूंद-बूंद सिंचाई प्रणाली के लाभों को रेखांकित किया। इस दौरे का समन्वयन डॉ. बी गंगय्या तथा डॉ. स्वर्णा रोणंकी के द्वारा किया गया।

व्याख्यान

कलासलिंगम एकेडमी ऑफ रिसर्च एंड एजुकेशन, कृष्णनकोइल, श्रीविल्लिपुथुर, तमिलनाडु के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय श्रीअन्न समारोह के हिस्से के रूप में 04 जनवरी, 2023 को कॉलेज के छात्रों को "श्रीअन्न सिंहावलोकन" पर एक विशेष वार्ता देने हेतु **डॉ. स्वर्णा रोणंकी** को विषय-विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया। इस वार्ता

में श्रीअन्न के पोषण व स्वास्थ्य लाभ तथा उत्पादन एवं प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों का गहन अवलोकन शामिल था। डॉ. स्वर्णा ने विज्ञान केन्द्र, जालना में 05 जनवरी, 2023 को कृषि विज्ञान मंडल की मासिक कृषि संगोष्ठि में "श्रीअन्न उत्पादन, प्रसंस्करण तथा विपणन" पर भी व्याख्यान दिया। उन्होंने गोष्ठि के दौरान श्रीअन्न की उन्नत खेती पद्धतियों, मूल्य वर्धित उत्पादों के प्रसंस्करण एवं विपणन के बारे में जानकारी प्रदान की।

डॉ. एम एलंगोवन ने आयुष मंत्रालय के अंतर्गत केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद और राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान के द्वारा एसपीएस महल, तिरुचिरापल्ली में 9 जनवरी 2023 को 6वें राष्ट्रीय सिद्ध दिवस के अवसर पर "सिद्ध आहार तथा स्वस्थ जीवन हेतु पोषण" विषय पर आयोजित समारोह के दौरान "पोषण व स्वस्थ जीवन के लिए श्रीअन्न आहार" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. राजेन्द्र आर चापके ने केंद्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भूवनेश्वर के द्वारा 11 जनवरी, 2023 को "ग्रामीण क्षेत्रों में कुपोषण को कम करने के लिए महिलाओं के अनुकूल न्यूट्री-स्मार्ट हस्तक्षेप" पर भाकृअनुप प्रायोजित लघु पाठ्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाकृअनुप व राकृविवि के वैज्ञानिकों हेतु "पोषण एवं कृषक परिवारों की आय हेतु मुख्य तथा लघु श्रीअन्न का उत्पादन" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. राजेन्द्र आर चापके ने भाकृअनुप-अटारी, पुणे के द्वारा 19 जनवरी, 2023 को प्रशासन भवन के उद्घाटन के अवसर पर "श्रीअन्न तथा प्राकृतिक खेती" पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में "श्रीअन्न को प्रोत्साहन : प्रमुख प्रौद्योगिकियां एवं रणनीतियां" पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर श्री कैलाश जी चौधरी, माननीय राज्य कृषि मंत्री, भारत सरकार, नई दिल्ली, डॉ. वी पी चहल, एडीजी (विस्तार), भाकृअनुप, नई दिल्ली, डॉ. पाटिल, वीसी, एमपीकेवी, राहुरी, श्री बोराडे, एनजीओ, जालना, डॉ. लखन सिंह, निदेशक, भाकृअनुप-अटारी, पुणे, डॉ. राजेश तथा तुषार अठारे, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-अटारी, पुणे, एसएयू तथा एसएडी के उच्चाधिकारी व महाराष्ट्र, गुजरात तथा गोवा के केवीके के 82 प्रमुख उपस्थित थे।

डॉ. राजेन्द्र आर चापके ने राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी), जल शक्ति मंत्रालय, दिल्ली द्वारा 24 जनवरी, 2023 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी), दिल्ली में श्रीअन्न पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के एक सत्र की अध्यक्षता की। इसमें चार राज्यों के अकादमिक व गंगा बेसिन के किसान शामिल कुल 50 सहभागियों ने भाग लिया।

डॉ. वेंकटेश भट ने भाकृअनुप अनुसंधान परिसर, इंफाल, मणिपुर में अंतर्राष्ट्रीय श्रीअन्न वर्ष-2023 की पूर्व संध्या पर 25 जनवरी, 2023 को आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में "श्रीअन्न की खेती" पर व्याख्यान दिया।

कि.उ.सं. समाचार

गुजरात किउसं हितधारकों हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण

भाश्रीअनुसं एवं नाबार्ड, अहमदाबाद, गुजरात की किउसं इकाई के द्वारा गुजरात के विभिन्न जिलों में स्थित किउसं के पीओपीआई, सीईओ एवं बीओडी के लिए श्रीअन्न उत्पादन, प्रसंस्करण व मूल्य वर्धन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राथमिक प्रसंस्करण इकाई में व्यावहारिक सत्र, ज्ञानवर्धक दौरे तथा सफल श्रीअन्न उद्यमियों के साथ चर्चा की भी व्यवस्था की गई। प्रतिभागियों ने अपने-अपनों क्षेत्रों में श्रीअन्न किसानों की आय बढ़ाने हेतु अपने-अपने किउसं में प्राथमिक प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने में रुचि दर्शायी।

ज़िला स्तरीय श्रीअन्न मेला

डॉ. संगप्पा ने 8 जनवरी, 2023 को ज़िला स्तरीय श्रीअन्न मेला, जैविक कार्यशाला एवं प्रदर्शनी के दौरान अतिथि के रूप में भाग लिया तथा भाश्रीअनुसं में विकसित श्रीअन्न प्रसंस्करण एवं मूल्य शृंखला व श्रीअन्न प्रौद्योगिकियों पर व्याख्यान दिया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंतर्गत ज़िला प्रशासन, यूएएस, धारवाड़ तथा यूएचएस, बागलकोट व लाइन विभागों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। इसमें भाश्रीअनुसं द्वारा समर्थित मुधोल किसान उत्पादक कंपनी ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया।

रायचूर कृषि मेला

डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक, भाश्रीअनुसं ने कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, रायचूर के द्वारा 10 जनवरी, 2023 को आयोजित कृषि मेले में भाग लिया। "किसानों के लिए किसानों से" नामक एक विशेष मंच पर उन्होंने श्रीअन्न प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन प्रौद्योगिकियों पर व्याख्यान दिया तथा किसानों के साथ चर्चा की।

कयाका किउसं

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं द्वारा प्रवर्तित कायाका किउसं ने 8-10 जनवरी, 2023 के दौरान कोप्पल गविसिद्धेश्वर जात्रा के दौरान अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया।

आलैंड किउसं

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के द्वारा प्रवर्तित अलैंड किउसं ने 10-12 जनवरी, 2023 के दौरान यूएएस, रायचूर में कृषि मेले में अपने श्रीअन्न के अनुपम मूल्य वर्धित उत्पादों का प्रदर्शन और विपणन किया।

श्रीअन्न किसान उत्पादक संगठन हेतु कार्यशाला

कृषि विभाग, कोप्पल जिले ने श्रीअन्न किसानों के लिए 17 जनवरी, 2023 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। भाश्रीअनुसं से डॉ. मंजूप्रकाश ने एक विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया तथा "श्रीअन्न उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन एवं विपणन" पर व्याख्यान दिया। सुप्रसिद्ध खाद्य वैज्ञानिक, डॉ खादर वली ने उत्तम स्वास्थ्य हेतु श्रीअन्न के महत्व पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में लगभग 300 किसानों, छात्रों, खेतिहर महिलाओं ने भाग लिया।

कयाका किउसं की आईटीएफ, बेंगलुरु में सहभागिता

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं हैदराबाद के द्वारा प्रवर्तित कयाका कृषि मित्र किउसं, धारवाड़ तालुका एफपीसी तथा निदागुंडी एफपीसी ने कृषि विभाग एवं केएपीपीईसी, कर्नाटक सरकार द्वारा 20-22 जनवरी, 2023 के दौरान बेंगलुरु में आयोजित श्रीअन्न व जैविक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2023 में भाग लिया।

आईटीएफ 2023 में डॉ.संगप्पा का व्याख्यान

भाश्रीअनुसं के वैज्ञानिक डॉ. संगप्पा ने कृषि विभाग एवं केएपीपीईसी, कर्नाटक सरकार के द्वारा बेंगलुरु में आयोजित श्रीअन्न व जैविक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2023 में 20 जनवरी 2023 को "श्रीअन्न प्रसंस्करण तथा मूल्यवर्धन का वर्तमान परिदृश्य" पर व्याख्यान दिया।

कृषि मेला एवं कृषि चर्चा मंच

डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक - भाश्रीअनुसं ने 23 जनवरी, 2023 को जात्रा महोत्सव में कृषि चर्चा मंच में भाग लिया तथा श्रीअन्न के महत्व और उनके स्वास्थ्य लाभों के बारे में किसानों तथा जनता को जागरूक किया।

नाबार्ड में परस्पर संवाद बैठक

डॉ. रफी ने नाबार्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, तेलंगाना, हैदराबाद में 25 जनवरी, 2023 को नाबार्ड प्रवर्तित किउसं - कृषि आगत डीलर्स - सीबीबीओ चर्चा में भाग लिया। चर्चा के दौरान, किउसं स्तर पर आगत प्राप्त करने में किउसं द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं को कृषि-आगत हितधारक के समाने रखा गया। श्रीमती सुशीला चिंताला, सीजीएम, नाबार्ड, तेलंगाना ने उक्त सत्र की अध्यक्षता की।

जनवरी 2023 के दौरान समझौता ज्ञापन

सं.प्रौ.प्र.ए., भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के माध्यम से जनवरी 2023 के दौरान भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं में निम्नलिखित करार ज्ञापन/समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। भाश्रीअनुसं की ओर से भाश्रीअनुसं के कार्यवाहक निदेशक डॉ. सी वी रत्नावती ने समझौतों पर हस्ताक्षर किए। करार ज्ञापन/समझौते के विवरण निम्नानुसार है :

करार तिथि	दूसरा दल/ लाइसेंसधारी	समझौते/करार ज्ञापन का प्रयोजन	हस्ताक्षरकर्ता प्राधिकरण		साक्ष्य
			भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं	दूसरा दल	
20.01.2023	इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़	सहयोगात्मक अनुसंधान एवं श्रीअन्न का संवर्धन	डॉ. सी वी रत्नावती, निदेशक	डॉ. गिरीश चंदेल, कुलपति	डॉ के हरिप्रसन्ना
30.01.2023	एग्री बायोटेक फाउंडेशन, हैदराबाद	सहयोगी अनुसंधान	डॉ. सी.वी रत्नावती, निदेशक	डी विष्णु वर्धन रेड्डी, निदेशक	डॉ. केबीआरएस विशारदा तथा जे स्टेनली

आभासी बैठकों / प्रशिक्षणों / कार्यशालाओं / संगोष्ठियों में सहभागिता

क्र.सं	अधिकारी का नाम	सहभागिता	प्रकार	कार्यक्रम स्थल	तिथियां
1	सी वी रत्नावती, बी दयाकर राव, जे स्टेनली, संगप्पा तथा वी रवि कुमार	श्रीअन्न तथा जैविक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2023	स	त्रिपुरावासिनी पैलेस ग्राउंड, बेंगलुरु	20-22 जनवरी, 2023
2	बी वेंकटेश भट	सीएसीपी द्वारा आयोजित खरीफ बाजार मूल्य नीति पर बैठक	बै	कृषि भवन, नई दिल्ली	17 जनवरी, 2023
3	राजेन्द्र आर चापके	" श्रीअन्न तथा प्राकृति खेती पर राष्ट्रीय कार्यशाला"	का	भाकृअनुप-भाकृप्रौअनुसं, पुणे	19 जनवरी, 2023
4	राजेन्द्र आर चापके	श्रीअन्न पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	सं	राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, भारतीय अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, दिल्ली	24 जनवरी, 2023

इस माह का विचार

भारत में अब मिलेट्स/मोटे अनाज को श्री अन्न की पहचान दी गई है।

— श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

INTERNATIONAL YEAR OF MILLETS 2023

संकलन एवं संपादन
डॉ. महेश कुमार, डॉ. के वी राघवेन्द्र राव, डॉ. जिनू जेकब तथा डॉ. वी वेंकटेश भट
फोटो, अभिकल्पना तथा रूपरेखा
एच एस गावली
प्रकाशक एवं मुख्य संपादक
निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान

भाकृअनुप – भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान

मुख्यालय - राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500053
दूरभाष : 040-24599300
फैक्स : 040-24599304
ई-मेल : millets.icar@nic.in
वेबसाइट : www.millets.res.in

रबी ज्वार केंद्र (भाकअनुसं)
राष्ट्रीय राजमार्ग-65, बायपास, शेल्गी,
सोलापुर-413006 (महाराष्ट्र)
दूरभाष : 0217-2373456
फैक्स : 0217-2373456
ई-मेल : solapur@millets.res.in
वेबसाइट : www.millets.res.in

ज्वार गैर-मौसमी पौधशाला, वरंगल
प्रभारी अधिकारी,
भारतीय कदन्नअनुसंधान संस्थान, आरएआरएस
(पीजेटीएसएयू) मुलुगू रोड़. वरंगल